नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

दोबारा ना हो ऐसा हादसा, जिम्मेदारी तय करें

धार जिले के तिरला के पास हुआ सड़क हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की सामूहिक विफलता का खौफनाक आईना है. एक पिकअप वाहन में ठूंसकर भरे गए करीब 50 मजदूर, फटा हुआ टायर, और फिर एक भीषण टक्कर, 16 जिंदगियां पल भर में खत्म. सवाल यह है कि क्या यह केवल 'हादसा' है, या एक ऐसा अपराध जिसे हम हर दिन अपनी लापरवाही से जन्म दे रहे हैं ?

सबसे पहली और सबसे बड़ी वजह है ओवरलोडिंग. पिकअप जैसे छोटे मालवाहक वाहन में 50 लोगों को भर देना, सीधे-सीधे मौत को न्योता देना है. यह कोई छुपी हुई बात नहीं है,हाईवे पर ऐसे दृश्य आम हैं. पुलिस देखती है, परिवहन विभाग जानता है, स्थानीय प्रशासन भी अनजान नहीं. फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं होती ? क्या गरीब मजदूरों की जान की कीमत इतनी कम है कि नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएं ? दूसरी वजह है वाहनों की तकनीकी अनदेखी.दरअसल, टायर फटना कोई अचानक आसमानी घटना नहीं होती; यह लापरवाही का परिणाम होता है. खराब या घिसे हुए टायर, नियमित जांच का अभाव,ये सब मिलकर हादसे की जमीन तैयार करते हैं. सवाल उठता है कि ऐसे वाहनों की फिटनेस जांच कितनी ईमानदारी से होती है? या फिर यह भी एक औपचारिकता भर बनकर रह गई है ?

तीसरी और सबसे दर्दनाक सच्चाई है,खुला और असुरक्षित वाहन. पिकअप में न सीट बेल्ट, न कोई सुरक्षा ढांचा. जैसे ही टक्कर हुई, मजदूर सड़क पर बिखर गए. कई के हाथ-पैर कट गए, कई ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. यह सिर्फ एक वाहन नहीं था, यह चलता-फिरता खतरा था, जिसे सड़क पर चलने की इजाजत दी गई.

सरकार द्वारा मुआवजे की घोषणा संवेदनशील कदम है, लेकिन यह समाधान नहीं है. हर बार हादसे के बाद कुछ लाख रुपए देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते. असली सवाल है कि जिम्मेदार कौन? क्या केवल ड्राइवर? या वह ठेकेदार जिसने मजदूरों को इस तरह भरकर भेजा ? या फिर वह सिस्टम, जिसने आंखें मूंद लीं? जरूरत है सख्त और दिखने वाली कार्रवाई की. ओवरलोडिंग पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू होनी चाहिए. सड़क पर चलने वाले हर वाहन की नियमित और पारदर्शी फिटनेस जांच अनिवार्य हो. मजदूरों के परिवहन के लिए सुरक्षित साधन सुनिश्चित करना ठेकेदार और नियोक्ता की कानूनी जिम्मेदारी बनाई जाए. साथ ही, प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय हो,क्योंकि बिना उनकी चुप्पी के ऐसे हादसे संभव नहीं. यह हादसा हमें झकझोरने के लिए काफी होना चाहिए. अगर अब भी हम नहीं चेते, तो यह सिर्फ आंकड़ों का खेल बनकर रह जाएगा,

आज 16, कल शायद और ज्यादा ! सड़क पर चलने वाला हर इंसान एक जिंदगी है, कोई आंकड़ा नहीं. अब वक्त है कि हम संवेदनाओं से आगे बढ़कर सख्त फैसले लें, ताकि 'दोबारा ना हो ऐसा हादसा' केवल एक नारा न रह जाए, बल्कि हकीकत बन सके. ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण हादसे दोबारा ना हो, इसलिए जिम्मेदारों को जल्दी से जल्दी दंड मिलना जरूरी है.

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

लद्दाख : करूणा और शांति का प्रतीक

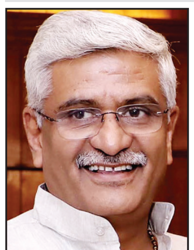

गजेन्द्र सिंह शेखावत

किसी राष्ट्र के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जब इतिहास केवल खुद को दोहराता नहीं बल्कि और गहरा हो जाता है. इस बुधवार, जब तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष इस पैमाने पर सार्वजनिक श्रद्धा के साथ पहली बार भारत में लद्दाख की धरती पर उतरेंगे, तो मैं खुद को सरकारी भाषा की ओर नहीं, बल्कि किसी बहुत पुरानी चीज़ की ओर श्रद्धा की ओर मुड़ते हुए पाता हूँ.

सदियों से लद्दाख ने यह ज्योति संजोए रखी है. उन क्रूर सर्दियों में जो नदियों को जमा देती हैं, उन भू-राजनीतिक दबावों में जो मज़बूत से मज़बूत आत्माओं को भी आज़माते हैं, ऊँचाई की एकाकी दुनिया में और दूर-दराज़ के दर्रों की कठिनाइयों के बीच लद्दाख के लोगों ने धर्म को ऐसी निष्ठा से जीवित रखा है जो हर संस्था और हर सरकार को नत-मस्तक कर दे. तो यह बिल्कुल उचित है कि भारत का पहला ऐतिहासिक सार्वजनिक प्रदर्शनी किसी महानगर के वातानुकूलित संग्रहालय में नहीं, बल्कि यहाँ दुनिया की छत पर हो रहा है, जहाँ आस्था ही जीवन की बुनावट है. और सोचिए ये अवशेष कहाँ से आ रहे हैं? वे पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से आते हैं वह स्थान जिसे ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, सिद्धार्थ गौतम की जन्मभूमि. उन्हें लद्दाख लाना, शाब्दिक अर्थों में, एक घर-वापसी है.

एक ऐसा पहली बार जो युगों का बोझ उठाए है- तथागत के पवित्र अवशेषों की इस पावन प्रदर्शनी का आधिकारिक नाम भी एक घोषणा है संघर्ष के समय में शांति. एक ऐसी दुनिया में जो युद्ध, विखंडन और बढ़ती दुश्मनी से जूझ रही है, ये शब्द उस सोच को चुनौती देते हैं जो संघर्ष को अनिवार्य मानती है, शक्ति को आक्रामकता से जोड़ती है, और अनिश्चितता का एकमात्र उत्तर बल में देखती है. बुद्ध ने ढाई हज़ार साल पहले इस चुनौती का जवाब दिया था. हम उनकी भौतिक उपस्थिति को वापस ला रहे हैं ताकि दुनिया को याद दिला सकें वह उत्तर आज भी उतना ही प्रासंगिक है. गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष जिन्हें अत्यंत पवित्रता के साथ संरक्षित किया गया है पहली बार अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से बाहर निकलकर इस पैमाने पर भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आ रहे हैं. 'श्रेणी की सुरक्षा के साथ, एक विशेष विमान में, वे 29 अप्रैल को लेह पहुँचेंगे और पंद्रह दिनों तक, 1 से 15 मई तक, शुभ 2569वीं वेसाक बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर से आरंभ होकर, दुनियाभर के श्रद्धालुओं, भिक्षुओं, विद्वानों और तीर्थयात्रियों के लिए यह प्रदर्शनी सुलभ रहेगी. स्थान भी अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं. महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, ऐतिहासिक लेह पैलेस का धर्म केंद्र, और जीवे-त्सल का शिक्षण स्थल वही पवित्र भूमि जहाँ परमपावन दलाई लामा ने अपनी शिक्षाएं दी हैं इस प्रदर्शनी के आयोजन-स्थल होंगे. और अवशेष केवल लेह तक सीमित नहीं रहेंगे. 11 और 12 मई के बीच वे सुदूर ज़ांस्कर घाटी की यात्रा करेंगे उस समुदाय तक बुद्ध की कृपा पहुँचाने के लिए, जिनकी बौद्ध परंपराएं उनके परिदृश्य की खाइयों जितनी गहरी हैं.

वह भूमि जिसने ज्योति को कभी बुझने नहीं दिया- यह समझने के लिए कि लद्दाख इस अवसर के लिए सही घर क्यों है, पहले लद्दाख को समझना होगा. यह केवल मठों और पहाड़ों का एक नाटकीय परिदृश्य नहीं है चाहे वह परिदृश्य कितना भी मनोरम हो. यह धर्म का एक जीवित विश्वविद्यालय है. जिसमें मठ की शांत ऊँचाइयों से जिसका वार्षिक उत्सव समूचे हिमालयी संसार से तीर्थयात्रियों को खींचता है अलची के प्राचीन भित्तिचित्रों तक, जो 10वीं सदी में बने और आज भी भक्ति की प्रतिभा से जीवंत हैं; दिस्कित की विशाल मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा से जो श्योक नदी की ओर अनंत करुणा की दृष्टि से देखती है थिकसे के बहुस्तरीय ज्ञान तक, जिसकी तुलना अक्सर तिब्बत के महान मठों से की जाती है लद्दाख हज़ार वर्षों से अधिक समय से बौद्ध दर्शन, कला, पांडुलिपि परंपरा और जीवंत साधना के सबसे असाधारण भंडारों में से एक रहा है. ये मठ, इनमें रहने वाले भिक्षु ये उस परंपरा के सक्रिय वाहक हैं जो हिमालयी क्षेत्र के हर भू-राजनीतिक तूफान में टिकी रही. और यह संरक्षण का कार्य उन्होंने उन परिस्थितियों में किया है जो अधिकांश प्रशासकों की कल्पना को भी थका दे- कड़ाके की ठंड, सीमित संसाधन, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, और एक ऐसा भूगोल जिसे बसाने के लिए भी साहस चाहिए. यह भारत की आधिकारिक स्वीकृति है कि लद्दाख हमेशा से क्या रहा है नक्शे के किनारे पर एक सीमांत क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की पहचान के केंद्र में धड़कता हुआ एक आध्यात्मिक हृदय.

सभ्यतागत गहराई में निहित एक दृष्टि- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख को बौद्ध संस्कृति और आध्यात्मिकता के एक जीवंत केंद्र के रूप में निरंतर वर्णित किया है. उन्होंने लद्दाख के लोगों की लचीलेपन और देशभक्ति की विशेषकर कठिन सीमा परिस्थितियों में अक्सर बात की है, उनकी आध्यात्मिक शक्ति को राष्ट्रीय संकल्प और एकता से जोड़ते हुए.

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं.)

महाकौशल की डायरी

मामूली विवाद बन गया सत्ता, सिस्टम और साख की लड़ाई ...

अविनाश दीक्षित

जबलपुर में स्मार्ट सिटी कार्यालय का प्रशासनिक विवाद सत्ता, सिस्टम और साख की लड़ाई में पूरी तरह तब्दील हो चुका है. शहर के राजनीतिक गलियारों में जहां आईएएस अधिकारी पर सत्ता पक्ष के दबाव की चर्चाएं जोरों पर हैं तो वहीं दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस द्वारा सरकार पर हमला बोला गया है. विदित रहे कि जबलपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ अरविंद शाह पर स्मार्ट सिटी कार्यालय में पदस्थ दिलप्रीत भल्ला नामक महिला कर्मचारी ने अभद्रता का आरोप लगाया है. दरअसल मामला महिला कर्मी के वेतन से जुड़ा है जिनका वेतन सीईओ ने मौखिक आदेश पर रोक दिया था. इसके बाद जब पीड़िता सीईओ के पास जानने पहुंची तो विवाद का नया बखेड़ा शुरू हो गया था.

यह मसला जबलपुर सिख समुदाय से होता हुआ मंत्री राकेश सिंह और फिर मुख्य मंत्री डॉक्टर मोहन यादव तक जा पहुंचा. जबलपुर में जैसे ही यह खबर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह तक पहुंची उन्होंने तत्काल अपने शासकीय आवास पर स्मार्ट सिटी सीईओ अरविंद शाह को तलब किया, इस दौरान जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार भी वहां मौजूद थे. खबर है कि प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में लोक निर्माण मंत्री ने कड़े शब्दों में अरविंद शाह को समझाया कि महिला सहकर्मी के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार कभी स्वीकार नहीं होगा और साथ ही समझाया कि एक आईएएस अधिकारी होने के नाते उन्हें समाज में प्रेरणा स्त्रोत बनना चाहिए ना की अमर्यादित भाषा का उपयोग कर सुर्खियों में बने रहना चाहिए. मंत्री का सख्त रवैया देखकर सीईओ अरविंद शाह ने महिला कर्मी के आरोप को निराधार बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की. इसके बाद मामला और तूल पकड़ गया. शिकायत मुख्यमंत्री को की गई जिसमें कहा गया कि सीईओ अरविंद शाह ने महिला के साथ-साथ लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के खिलाफ भी अमर्यादित टिप्पणी की ओर उन्हें देख लेने तक की बात कह डाली. जबलपुर सिख समुदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस प्रकार के आईएएस अधिकारी पर कार्यवाई सुनिश्चित की जाए.

वहीं दूसरी ओर मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने अपने सोशल मीडिया के एक्स एकाउंट में दो टूक लिखा कि अगर ईमानदारी से काम करने वाले अफसर सुरक्षित नहीं है तो सिस्टम कैसे चलेगा. मध्य प्रदेश में सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव का यह मामला एक अधिकारी का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की गरिमा और कामकाज पर सवाल खड़े कर रहा है. इस मामले को सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताते हुए सिंघार ने सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने ये भी आरोप लगाए कि लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह द्वारा एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को बंगले पर बुलाकर अपमानित करना, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना और धमकाना, लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है.

उमंग सिंघार ने ये भी कहा कि जो अधिकारी नियमों का पालन करवा रहा था, उसी को कठघरे में खड़ा कर दिया गया, इससे यह साफ होता है कि प्रदेश में प्रशासनिक तंत्र पर राजनीतिक दबाव किस हद तक हावी है.

मानवता हुई शर्मशार....

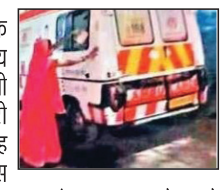

हाल ही में कटनी के जिला अस्पताल में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला एक ऐसा मामला उजागर हुआ जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया, साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता पर भी तमाम सवाल खड़े कर दिए. हुआ यूं कि कटनी जिला अस्पताल के अंदर जिंदगी और मौत से एक पति जूझ रहा था तो वहीं दूसरी तरफ उसकी पत्नी अस्पताल के बाहर खड़ी 108 एंबुलेंस को साफ कर रही थी, यह सब इसलिए क्योंकि रास्ते में उसके पति ने एंबुलेंस में उल्टी कर दी थी और एंबुलेंस कर्मचारी महिला पर दबाव बनाए हुए थे कि पहले वह एंबुलेंस साफ करें उसके बाद अस्पताल के अंदर जाए. पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो इस तरह के एम्बुलेंस कर्मियों की तीखी निंदा चारों तरफ होने लगी. जानकारी अनुसार हाल ही में करेला बरही निवासी राहुल बर्मन को एंबुलेंस जिला अस्पताल कटनी लाया गया था, मामले में अभी तक संबंधित एंबुलेंस कर्मचारी की पहचान नहीं हो पाई है. उधर सिविल सर्जन डॉक्टर यशवंत शर्मा ने कहा है कि दोषियों पर कार्रवाई होगी लेकिन कार्यवाई कब होगी यह दूर-दूर तक अभी नजर नहीं आ रहा है.

बंगाल में ऊंट किस करवट बैठेगा?

बंगाल में विधानसभा चुनाव के दोनों चरण पूरे हो जाने के बाद लोग अटकलें लगा रहे हैं कि कौन जीतेगा ? भारी मतदान कौन सा संकेत देता है? बीजेपी को उम्मीद है कि इस बार जनता ने परिवर्तन का वोट दिया होगा. एसआईआर से ममता समर्थक नाखों वोट कट गए होंगे. 2016 के चुनाव में बीजेपी को कुल 294 में से सिर्फ 3 सीटें मिली थीं लेकिन इससे हताश न होकर उसने प्रयत्न जारी रखे और 2021 के चुनाव में 77 सीटें हासिल कीं. इस बार बीजेपी ने हर बूथ स्तर पर 5 महिला कार्यकर्ताओं का मंडल शक्ति केंद्र बनाया था. बीजेपी ऐसी पार्टी है जिसके पास अपना कैडर है और वह हमेशा चुनावी मोड में रहती है. राज्य की भारी बेरोजगारी व नए उद्योग नहीं आने को बीजेपी ने मुद्दा बनाया. इसके अलावा वहां प्रचलित टीएमसी सिस्टम को भी टारगेट किया जिसमें किसी को अपने मकान का नवीनीकरण करना हो, बैंक से कर्ज लेना हो अथवा ठेका हासिल करना हो तो टीएमसी से जुड़े लोगों को पैसा देना पड़ता है. केंद्रीय गृहमंत्री ने वादा किया कि बीजेपी सत्ता में आएगी तो इस भ्रष्टाचार को खत्म करेगी और भ्रष्टाचारी जेल में नजर आएंगे. बंगाल के चुनाव को 'मोदी विरुद्ध ममता' के रूप में देखा गया. बीजेपी की सारी आशाओं के बावजूद बंगाल का जनमानस उस पैटर्न का नहीं है जैसा मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश का है. टीएमसी से मुकाबला लोहे के चने चबाने जैसा है. ममता बनर्जी की जुझारू योद्धा की मजबूत छवि बनी हुई है और राज्य में बीजेपी के नेताओं को 'बाहरी' करार दिया जाता है. ममता ने पिछले 15 वर्षों में सिद्ध कर दिया कि वह सत्ता में रहने के बाद भी सड़क पर आकर संघर्ष करने की अपनी आक्रामक शैली कायम रखे हुए हैं. चोट सिर पर लगे या पैर पर, उनका लड़ाकू अंदाज और जनता से संपर्क कम नहीं होता. एसआईआर को चुनौती देने के लिए वह हवाई चप्पल पहने सुप्रीम कोर्ट में गई थीं व खुद अपना पक्ष रखा था. केंद्र सरकार से लगातार टकराव की वजह से उन्हें नुकसान भी उठाना पड़ा. मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बंगाल को नहीं दी गई. गणतंत्र दिवस परेड में बंगाल की झांकी शामिल नहीं की गई. बंगाल में 3 दशक के वामपंथी शासन को उखाड़कर जब ममता सत्ता में आई थीं तो उन्होंने प्रशासन में सुधार लाया था. चुनाव प्रचार में ममता ने 94 सभाएं लीं, 13 पदयात्रा व 4 रोड़ शो किए. देखना होगा कि 4 मई को ऊंट किस करवट बैठता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

खुश हैं क्रिकेट के सारे फैन सिक्सर मार रहे हैं हिटमैन

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, एक समय था जब टेस्ट मैच के जमाने में भूले-भटके कभी एक-दो छक्के लगा करते थे. सिक्सर मारने के लिए लोग सीके नायडू और बाद में सलीम दुर्रानी को याद किया करते थे. तब सिक्सर रेयर था, आज वह कॉमन हो गया. यह करिश्मा आईपीएल की वजह से हुआ है. बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट बढ़ता जा रहा है. उनका निर्मम बल्ला बेचारी गेंद पर टूट पड़ता हैं और सीधे सीमापार भेज देता है. 16 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को क्रिकेट का अभिमन्यु मान लीजिए जो फील्डरों का चक्रव्यूह भेदकर छक्के पर छक्के मारता चला जाता है. अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल भी ऐसा ही करते हैं. रोहित शर्मा को तो पहले से ही हिट मैन कहा जाता रहा है.'

हमने कहा, 'आप हिट मैन की इतनी तारीफ कर रहे हैं लेकिन क्रिकेट में बाउंड्री के करीब फील्डिंग करने वाला थर्ड मैन भी तो रहता है. ईरान-अमेरिका वॉर में पाकिस्तान मिडल मैन की भूमिका निभा रहा है. फिल्मों में धर्मेंद्र को ही-मैन कहते थे. जंजीर व दीवार जैसी फिल्मों के बाद अमिताभ बच्चन को एंग्री यंग मैन कहा जाने लगा था. गुलशन ग्रोवर को बैड मैन कहते थे. कार्टून की दुनिया में आर. के. लक्ष्मण का कॉमन मैन चर्चित था.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज जब कॉमन मैन स्पेशल मैन बनकर तानाशाही चलाए तो उसका पतन हो जाता है. दिल्ली में 10 साल तक राज करने वाली आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 राज्यसभा सदस्य बीजेपी में शामिल होकर भगवा मैन बन गए हैं.'

हमने कहा, 'आपने सुपर मैन की फिल्में देखी होंगी जिसमें वह अपना लाल चोगा फैलाकर आसमान में उड़ जाता है और उड़ते हवाई जहाज को भी रोक देता है, किसी बहुत ऊंची बिल्डिंग को हाथ का सहारा देकर गिरने से बचा लेता है. वह घास के ढेर में छुपी सुई को पल भर में खोज निकालता है. वायुसेना में एयर मैन की भर्ती होती है. थलसेना के जवान आर्मी मैन हुआ करते हैं. प्रिंटिंग प्रेस में मशीन मैन और फोर मैन होते हैं. टेलीफोन और बिजली विभाग में लाइन मैन होता है. अग्निशामक दल में फायर मैन होते हैं. रेलवे क्रॉसिंग पर गेट मैन तैनात रहता है. फोटोग्राफर को कैमरा मैन या लेन्स मैन भी कहते हैं. एस्ट्रोनॉट को स्पेस मैन भी कहते हैं.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम आपको भी अंग्रेजी में मार्क्स मैन कह सकते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12245
-डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3		4	■
5		■	■		■	6	7
8		9	10		■	11	
■	12			■	13		
14	■		■	■		■	■
15		■	16			17	
	■	18		■	19		■
20				■	21		

ऊपर से नीचे
1. चतुर, धूर्त 2. विष, समुद्र मंथन के समय निकला हुआ भयंकर विष (सं.) 3. विचार, ख्याल, चाह, इच्छा (सं.) 4. शिव. नीले रंग का एक पक्षी 7. भार 9. कामना, प्रत्याशा 10. भोजन, भक्षण करना 13. स्वर्ग 14. उतार, ऊपर से नीचे आना, अवनति (सं.) 16. शोख, चंचल, स्थिर न रहने वाला 17. गुण (उर्दू) 18. नृत्य, ताल और लय पर अवलंबित अंगविक्षेप

बाएं से दाएं
1. चाहनेवाला, प्रेमी 3. सुंदर स्त्री, क्रोध करने वाली स्त्री (सं.) 5. कायस्थ या क्षत्रियों का जाति बोधक शब्द, आदरसूचक संबोधन 6. श्रीराम जी के पुत्र का नाम 8. कहवा बेचने की दुकान 11. कमल 12. चिपकना, शोभित होना 13. पढ़ना 15. समय, काल, अवसर (उर्दू) 16. अंतिम सीमा 18. माप, नापने का कार्य 19. किसी काटने वाले हथियार का तेज सिरा या किनारा 20. अस्थिरता, हिलने-डोलने की क्रिया 21. उल्टी, कै

Solution 12244

फु	स	फु	सा	ह	ट	■	सं
ला	मा	■	व	र	■	प	ग
ना	स	ना	■	■	प	र	म
■	न	म	क	ह	रा	म	■
सा	■	■	च	■	ग	धा	■
व	■	क	रा	र	■	म	ति
धा	क	■	घ	ट	ना	■	क
न	म	स्का	र	■	र	ब	ड़ी

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष केप्रारंभ में अचानक धन लाभ का योग है, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा, साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, धन संकट का सामना करना होगा, वर्ष के अन्त में व्यक्तिगत संबंधों मेंसुधार होगा, मित्रों के सहयोग से लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों से धन संकट का सामना करना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग, व्यापार मं वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्रों की मदद मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निजी पुरूषार्थ की प्राप्त होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गौरवर्ण का दुबला पतला, माता पिता का आदर करने वाला होगा. नौकरी एवं व्यवसाय दोनों में अच्छी तरह तरक्की करेगा, गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में अच्छी उन्नति होगी, अपने कार्य में दूसरों का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा भृगुवासरे रात 9/27, स्वाती नक्षत्रे रात 3/29, सिद्धि योगे रात 8/31, विष्टि करणे सू.उ. 5/31, सू.अ. 6/29, चन्द्रचार तुला, पर्व- स्नान-दान व्रत पूर्णिमा, बुद्धि पूर्णिमा, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में मंदी की चाल चलेगी, तिल, सरसों, जौ, गुड़, खांड़, चना आदि में मंदी होकर अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 3695 है.

मेष- नजदीकी लोगों के कारण भागदौड़ बढ़ सकती है, आप जोखिम उठाने के लिये तैयार रहेंगे, आय के साधनों में वृद्धि होगी, रोजगार आदि की प्राप्ति होगी.

वृषभ- आप जैसा चाहेंगे, वैसा हो पाना मुश्किल है, विरोधी वर्ग प्रबल होगा, भागदौड़ अधिक करनी होगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

मिथुन- घरेलू आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, पुराने पेंडिंग कार्य पूरे होंगे, माता पिता की आशाओं की पूर्ति होगी, व्यापार की स्थिति संतोषजनक रहेगी.

कर्क- कानूनी मामले आपसी बातचीत से सुलझेंगे, कामकाज में परिवार का अच्छा सहयोग रहेगा, समय को देखकर कार्य करें, अधिनस्थ लोगों का विरोध बढ़ सकता है.

सिंह- बड़ी जिम्मेदारी पूरी होने से प्रसन्नता होगी, पुराना कर्ज चुकता होने की संभावना है, शुभ समाचार मिलेगा, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वाणी प्रभावशाली रहेगी.

कन्या- नए सौदे लाभकारी रहेंगे, दौड़धूप से रूका कार्य अच्छी तरह बन जायेगा, भूमि भवन संबंधी मामलों में विजय मिलेगी, वाहन का सुख मिलेगा.

तुला- निजी कार्य को टालने से समस्या बढ़ेगी, झगड़ों से परेशान होकर काम छोड़ने का मन बनेगा, कार्यसिद्धि के लिये दौड़धूप करना होगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक- कैरियर की सफलता के लिये सही समय का इंजतार करें, धार्मिक कार्यों पर रूचि रहेगी, शारीरिक कष्ट से छुटकारा मिलेगा, पुराना पैसा प्राप्त होगा.

धनु- टालमटोल के चलते कामकाज में परेशानी होगी, बुजुर्गो का दिशा निर्देश लाभकारी रहेगा, सावधानी रखकर कार्य करें, लापरवाही करने पर नुकसान हो सकता है.

मकर- मांगलिक कार्य संभव है, कार्यक्षेत्र में अपमान हो सकता है, संतान पक्ष को सफलता मिलेगी, सहयोग लाभकारी रहेगा, सामाजिक कार्यो में लगाव रहेगा.

कुम्भ- कामकाज के सिलसिले में यात्रा हो सकती है, वैभव विलासिता के कार्यो में खर्च होगा, बिगड़े कार्यो में सुधार होगा, रोजगार के कार्यो में वृद्धि होगी.

मीन- मित्रों के साथ मौजमस्ती में समय व्यतीत होगा, आकस्मिक लाभ संभव है, मानसिक शांति मिलेगी, शादी विवाह के कार्यो में सफलता का योग है.

SUDOKU 7377

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7376

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2